भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1963
12/12/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

बालासोर में डॉपलर रडार स्टेशन

1963. श्री निरंजन बिशी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या नया डॉपलर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) नेटवर्क पिछली मौसम पूर्वानुमान प्रणाली की तुलना में अधिक लाभप्रद है, यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है;
(ख) बालासोर में स्वीकृत डॉपलर रडार स्टेशन कब तक चालू हो जाएगा;
(ग) क्या ओडिशा के पश्चिमी और दक्षिणी भागों में डॉपलर रडार स्टेशन स्थापित करने की योजना है;
(घ) देश भर में राज्य-वार कितने नए डीडब्ल्यूआर लगाए गए हैं;
(ङ) कितने राज्य मौसम के पूर्वानुमान के लिए पड़ोसी राज्यों में लगाए गए डॉपलर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) पर निर्भर हैं; और
(च) क्या बिहार सहित सभी राज्यों में सटीक पूर्वानुमान के लिए अनुशंसित दूरी कारक के अनुरूप डीडब्ल्यूआर लगाने की योजना है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। डॉपलर मौसम रडार (DWRs) नेटवर्क का प्रयोग मुख्यत: स्थानीयकृत गर्ज के साथ तूफान तथा भारी वर्षा की निगरानी करने एवं 3 घंटे तक के लिए समय पर तत्काल चेतावनियां जारी करने के लिए किया जाता है। DWR डेटा का उपयोग संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान (NWP) मॉडलों में, विशेष रूप से तात्कालिक पूर्वानुमान मॉडलों में 6 से 12 घंटे पहले वर्षा और गर्ज के साथ तूफान के पूर्वानुमान के लिए भी किया जाता है। इन डॉपलर मौसम रडार (DWRs) की सहायता से उपयुक्त चेतावनियां एवं अलर्ट जारी किए जाते हैं।

(ख) बालासोर में डॉपलर मौसम रडार (DWRs) की संस्थापना एवं आरंभ करने का कार्य मार्च 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

(ग) जी हां। ओडिशा राज्य में (बालासोर, संबलपुर, तथा भुबनेवश्वर में) तीन डॉपलर मौसम रडार (DWRs) की योजना बनाई गई है।

(घ) वर्तमान में देश के विभिन्न स्थानों पर 39 डॉपलर मौसम रडार (DWRs) स्थापित किए गए हैं। राज्य एवं स्थान-वार विवरण अनुलग्नक-1 में दिया गया है। नए आरंभ किए गए मिशन मौसम का उद्देश्य देश में पूर्ण रडार कवरेज और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली की सटीकता में विस्तार के लिए डॉपलर मौसम रडार नेटवर्क का विस्तार करना है। मिशन मौसम को सितंबर 2024 में आरंभ किया गया था, तथा इसमें वर्ष 2026 तक 87 और डॉपलर मौसम रडार (DWRs) संस्थापित किए जाने की योजना है।

(ङ) 14 राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र पड़ोसी राज्यों में तैनात डॉपलर मौसम रडार (DWRs) पर निर्भर हैं।

(च) इसका उद्देश्य बिहार एवं संघ राज्य क्षेत्रों समेत देश भर में पूर्ण रडार कवरेज तथा मौसम पूर्वानुमान प्रणाली की सटीकता को बेहतर बनाने के लिए डॉपलर मौसम रडार (DWRs) नेटवर्क का विस्तार करना है।

अनुलग्नक -1

डॉपलर मौसम रडार (DWRs) नेटवर्क:			
क्र.सं.	**राज्य**	**केन्द्र का नाम**	**DWR का प्रकार**
1.	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	एस-बैंड
2.	आंध्र प्रदेश	मछलीपटनम	एस-बैंड
3.		विशाखापट्टनम	एस-बैंड
4.		श्रीहरिकरोटा (इसरो)	एस-बैंड
5.	तेलंगाना	हैदराबाद	एस-बैंड
6.	दिल्ली	पालम	एस-बैंड
7.		मुख्यालय नई दिल्ली	सी-बैंड (पोलैरिमीट्रिक)
8.		आया नगर	एक्स-बैण्ड
9.	महाराष्ट्र	नागपुर	एस-बैंड
10.		मुम्बई	एस-बैंड
11.		मुम्बई वेरावली	सी-बैण्ड
12.		सोलापुर	सी-बैण्ड
13.	त्रिपुरा	अगरतला	एस-बैंड
14.	बिहार	पटना	एस-बैंड
15.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	एस-बैंड
16.	पंजाब	पटियाला	एस-बैंड
17.	असम	मोहनबाड़ी	एस-बैंड
18.	मध्य प्रदेश	भोपाल	एस-बैंड
19.	ओडिशा	पारादीप	एस-बैंड
20.		गोपालपुर	एस-बैंड
21.	तमिलनाडु	कराईकल	एस-बैंड
22.		चेन्नई (एनआईओटी)	एक्स-बैण्ड
23.		चेन्नई	एस-बैंड
24.	गोवा	गोवा	एस-बैंड
25.	गुजरात	भुज	एस-बैंड
26.	राजस्थान	जयपुर	सी-बैंड (पोलैरिमीट्रिक)
27.	जम्मू एवं कश्मीर	श्रीनगर	एक्स-बैण्ड
28.		जम्मू	एक्स-बैण्ड
29.		बनिहाल टॉप	एक्स-बैण्ड
30.	केरल	कोच्चि	एस-बैंड
31.		वीएसएसी (इसरो) तिरुवनंतपुरम	सी-बैण्ड
32.	उत्तराखण्ड	मुक्तेश्वर	एक्स-बैण्ड
33.		सुरकंडा देवी	एक्स-बैण्ड
34.		लैंसडाउन	एक्स-बैण्ड
35.	लद्दाख	लेह	ट्रांसपोर्टेबेल एक्स-बैण्ड
36.	हिमाचल प्रदेश	कुफरी	एक्स-बैण्ड
37.		जोत	एक्स-बैण्ड
38.		मुरारी देवी	एक्स-बैण्ड
39.	मेघालय	चेरापूंजी (इसरो)	एस-बैंड

*****